मैं कब तक हँस सकूँगा?

सुबह हो गया। घर में सबसे पहले वरुण ने उठा था। आज का दिन वरुण को कभी नहीं भूल सकता था। उसने जल्द ही तैयार होकर शहर में गया। वहाँ राजु भाई के दुकान था। इस दुकान पानी पूरी के नाम में मुंबई में बहुत प्रसिद्ध है। जब वरुण ने दुकान में गया राजु भाई ने मुसकुराकर दो पानी पूरियाँ लेकर वरुण को दिया। उसने वह खरीदकर जल्द ही अपने गाड़ी चला दिया। बहुत दूर जाने के बाद उसने एक सुंदर सा जगह में आ गया। वहाँ कोई नहीं था। उस जगह बहुत सुंदर था। वहाँ एक बड़ा वृक्ष था जिसमें खूबसूरत फूलों से भरा हुआ था।

वरुण ने उस वृक्ष के और चलाकर उसके नीचे बैठा। वहाँ बैठकर वरुण ने सालों पुराने के यादों में डूब गया....।

वरुण ने बचपन में किसी से भी बात नहीं करती थी। उसको कोई दोस्त भी नहीं था। एक दिन जब गाँव के सारे बच्चों खेलने का समय वरुण ने भी वहाँ गया। लेकिन उस बच्चों ने उसे खेलने नहीं दिया। उदास होकर वरुण चला जाने वक्त में किसी ने उसका हाथ पकड़कर कहा: 'आओ दोस्त, हम खेलेंगे।" वरुण ने पीछे मुड़कर एक लड़का को देखा। उसने मुसकुराकर कहा: "मेरा नाम आयुश। इस गाँव में नया हूँ। क्या तुम मेरे साथ खेलूँगी?" वरुण को यह सुनकर बहुत खुश हुआ। उसके जीवन में पहले बार एक दोस्त को मिल रहा है। वरुण ने कहा: "मेरा नाम वरुण। आज से हम तुम मेरा दोस्त हूँ सबसे अच्छा दोस्त।"

~~इस~~ उस दिन से वरुण और आयुश का दोस्ती शुरु हुआ। वह बचपन से लेकर बड़ा होने तक सबसे अच्छा दोस्ती था। दोनो एक दूसरे को जान से

ज्यादा प्यार करता था। उन दोनों के दोस्ती बहुत गहरा था।

एक दिन जब वह दोनों फुटबोल खेल रहे थे। उस समय आयुश ने बेहोश हो गया। वरुण बहुत डर गया। उसने आयुश को जल्द ही आसपित्ताल लेखर आया। कुछ समय बाद डॉक्टर कमरे से बाहर आकर सबको कहा कि आयुश ठीक है। सब बहुत खुश हुआ था। उसके बात डॉक्टर ने वरुण को अकेला डॉक्टर के कमरे में बुलाया। वहाँ से डॉक्टर कहा: "मैं जो बात कह रही हो वह सुनकर तुम परेशान मत होना चाहिए। और ये बाद आयुश को कभी नहीं बताना।" वरुण ने हैरान होकर पूछा: "डॉक्टर साब बात क्या है? मेरे आयुश को क्या हुआ है? वह ठीक तो है न?" डॉक्टर ने उदास होकर कहा: "नहीं वरुण, आपका वर दोस्त ठीक नहीं है। ~~वह एक~~ उसको एक बड़े बीमारी पड़ गया है। तुम्हारी

आयुश ~~एक~~ को कानसर पड़ा है। ~~वह आखरी जगह मे है~~। उसका हालत बहुत खराब है।"

वरुण को यह सब विशवास नहीं कर पाता था। उसने डाक्टर से पूछा : "डाक्टर ~~द~~ आपको मेरे आयुश को बचा सकते हो ना। कोई दवाई दे दो उसे। वह जल्दी ठीक हो जाएगा।" डॉक्टर ने वरुण के पास आकर कहा : " वरुण, मुझे माफ कर बेटा, लेकिन मैं तुमहारे दोस्त को नहीं बचा सकता। आयुश को इस धरती में सिर्फ कुछ दिनों बाकी है। अगर आप अपने दोस्त केलिए कुछ करना चाहती तो उसे इन दिनों ~~खुश~~ हमेशा खुश रखो। आयुश का आखरी इच्छाओं को पूरी करो।

वरुण को बहुत दुख हुआ। जिसको वो अपने जान से ज़्यादा प्यार करती थी वह ~~उसे~~ जल्द हि उसे छोड़कर चली जाएगा। लेकिन वरुण ने डाक्टर के बातें याद किया। उसने सोचा : "मैं मेरी आयुश को बहुत खुश रखूँगा। उसके सारे इच्छाओं को पूरा

करूगाँ। वरुण ने आयुशा के पास गया और उससे कहा : " आयुशा, चलो बताओ मुझे आपके सारे इच्छा। मैं तुम्हारे सारे इच्छाओं को पूरा करूँगा।" यह सुनकर आयुशा ने हँसकर कहा: " सच में, तुम मेरे सारे इच्छा पूरा करूगाँ? वरुण ने सहमत दिया। आयुशा ने एक से एक उसका सारे इच्छाओं वरुण से बता दिया। सबसे पहले उसने कहा : " मेरा पहले इच्छा है शजु भाई का पानी पूरी खाना, उसके बाद मुझे तुम्हारे साथ एक जगह जाना है।"

वरुण ने आयुशा को गाड़ी मे लेखर चला गया। सबसे पहले वह दोनों का सबसे प्यारा पानी पूरी खाया उसके बाद वह दोनों बहुत सारे जगहों मे गया। बहुत समय बाद वह दोनों एक सुंदर जगह मे आया। आयुशा को अपने पिता ने इस जगह के बारे में बताया था। वहाँ था उस खूबसूरत वृक्ष। दोनों ने उस जगह मे बहुत सारा वक्त बिताया। वह दोनों वहाँ से

के

उनका बचपन ~~में खेला~~ खेलों खेल रहा था। आयुश बहुत खुश था। ~~उनका~~ उसका हँसी देखकर वरुण को भी खुश हुआ। लेकिन वरुण को इस बात से दुख भी हुआ कि यह हँसी कुछ ही दिनों में खतम हो जाएगी। लेकिन वरुण ने आयुश को कुछ नहीं बताया। बहुत समय खेलने के बाद, वह दोनों वृक्ष के नीचे बैठ गया। ~~आयुश ने मुस्कुराकर~~ वरुण ने मुसकुराकर आयुश से ~~कहा~~ पूछा: "आयुश, तुम्हारी सारे इच्छा खतम हो गयी न, अब तुम खुश हो क्या?" आयुश ने हँसकर कहा: "हाँ वरुण मैं बहुत खुश हूँ। मैं आज बहुत हँसा भी हूँ.... लेकिन वरुण मैं कब तक हँस सकूँगा.....?" यह सुनकर वरुण को हैरान हो गया। उसने पूछा: आयुश तुम ये क्या कह रही हो? मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है।" आयुश ने कहा: "बस करो वरुण, मुझे सब पता है। कल जब तुम ~~मेरी~~ मेरे लिए चाय लेने गया तब मैं मेरे रिपोर्ट पढ़ा था। ~~उस~~

मुझे पता चल गया कि मैं मुझे सिर्फ़ कुछ दिनों हि बाकी है। मुझे मरने का डर नहीं है, लेकिन मुझे तुम्हारी तुम्हे छोड़कर नहीं जाना है वरुण।" दोनों के आँखों आँसू से भर गया। वरुण ने आयुश को गला देख दिया और उसे उपने साथ पकड़कर कहा: "मैं तुम्हारे बिना नहीं जीऊँगा आयुश। मैं तुम्हे कुछ नहीं होने देगा। तुम हमेशा मेरा साथ ही रहना। हमें साथ में बहुत सारे जगहों जाना है, खूब मस्ती कराना है और तुम्हारे पसंद पानी पूरी भी खाना है।" यह सब कहकर वरुण और आयुश सोया। उस दोनों के दुख और अनमोल प्यार देखकर आसमान भी से बारिश के रूप में रोया।

बहुत दिन कुछ हि दिनों के बाद आयुश का हालत और भी खराब हो रहा था। धीरे धीरे वो इस दुनिया से अपने वरुण को अकेला छोड़कर गया। मरने के समय आयुश ने वरुण के हाथ पकड़कर हँस

रहा था। उसी हँसी वाले चहरों से आयुश ने इस धरती से चला गया।

आँखों में आँसू भरकर वरुण ने अपने दो साल पुराने यादों से उठा लिया। ~~उसी~~ दो साल पहले उसी दिन में उसके प्यारा मित्र आयुश उसे छोड़कर ~~ज~~ गया था। लेकिन सिर्फ आयुश गया है उनके यादें हमेशा वरुण के साथ है। जब भी वरुण को आयुश के याद आती उसने इस जगह में आती है।

कुछ रिश्तों ऐसा है, जो बहुत गहरा है। उस रिश्तों कभी टूट नहीं सकता। वरुण और आयुश का रिश्ता भी ऐसा है। उस दिन उस वृक्ष के नीचे बैठकर वरुण अपने दोस्त को याद किया। उस वृक्ष के नीचे जब पहले बार उन दोनों ने बैठा उसी दिन में को याद करते रही थी वरुण। याद में वरुण के मन में आयुश का आवाज आया: "वरुण, मैं कब तक हँस सकूगा? वरुण अपने दोस्त के यादों में ~~जीत~~ जी रहा है। और उन दोनों का प्यार भरी दोस्ती हमेशा ऐसा रहा.... एक अनमोल दोस्ती के रूप में।